GRAM-2026 and Technology-Based Agricultural Transformation in Rajasthan.

Rajasthan is planning to host the Global Rajasthan Agritech Meet (GRAM)- 2026 between 23 and 25 May at the JECC, Sitapura, Jaipur. The event is being projected as a big initiative to enhance a modern, technology based and market oriented agriculture in the state. At the high level review meeting presided over by the chairperson of the high level review meeting;- Principal Secretary, Agriculture and Horticulture, Manju Rajpal, the arrangements relating to the participation of the farmers, technical sessions, exhibition, logistics and facilities were reviewed. It is expected that over 75,000 farmers of all gram panchayats of Rajasthan will be participating in the event.

GRAM-2026 has key features

- GRAM-2026 will be organised at JECC, Sitapura, Jaipur from 23 to 25 May.
- The event will help to link farmers to current agricultural technologies and market opportunities.
- It is anticipated that over 75,000 farmers in all gram panchayats in Rajasthan shall take part.
- The event will concentrate on the following areas: drone technology, artificial intelligence, precision farming, organic farming and natural farming.

RASonly

- Startups, agri-tech companies, farmers, agricultural scientists, policymakers and investors will be brought on a common platform.
- The event will promote the use of technology based farming systems, value addition, export oriented production and modern marketing systems.

Objectives and Benefits

Objectives

- To encourage innovation and technological development in agriculture.
- To transform agriculture into a more lucrative undertaking, sustainable and market-oriented.
- To offer farmers firsthand experience of the modern agricultural tools and techniques.
- To reinforce the communication between farmers, agri-tech firms and startups.
- To encourage investment in the agriculture industry of Rajasthan.
- To promote international technology transfer by organizing international road shows.

Benefits

The farmers will receive practical information of new age farming technologies

- The event will help in improving farm productivity and income opportunities.
- It will encourage agricultural entrepreneurship among the youth in the rural areas.
- It will promote export and value added agricultural production.

It will also assist in making Rajasthan a better player in the global agriculture industry.

• The project will promote the concept that the empowerment of farmers is the cornerstone of rural development.

Administrative Preparations

At the review meeting, the Principal Secretary Manju Rajpal ordered officials to ensure that farmers who attend the event do not have any inconvenience. The Agriculture Commissioner, Naresh Kumar Goyal, ordered a preparatory of proper arrangement of the consumption of drinking water, Saras lassi, shade and other necessary facilities particularly keeping in mind the summer season. The officials were also instructed to perform their respective duties with utmost alertness and within the stipulated time.

RASonly

Conclusion

GRAM-2026 may become a significant platform to transform the agriculture of Rajasthan into a profitable and sustainable industry based on technology. The event will facilitate innovation, investment, agricultural exports and rural entrepreneurship by uniting farmers, scientists, policymakers, investors and agri-tech companies. It bears the attempt by Rajasthan to shift to a modern agricultural revolution.

MCQs

1. Read the following statements regarding GRAM-2026:

1. It will be held in JECC, Sitapura, Jaipur.

2. It seeks to invest in modern, technology and market-oriented agriculture.

3. It will only concentrate on the traditional ways of farming.

So what of the above statements are true?

A. 1 and 2 only

B. 2 and 3 only

C. 1 and 3 only

D. 1, 2 and 3

Answer: A

GRAM-2026 will be held at JECC, Sitapura, Jaipur and the aim is to encourage modern technology-based and market-oriented agriculture. It will concentrate on the technologies like drone technology, artificial intelligence, precision farming, organic farming and natural farming. Hence, statement 3 is false.

2. GRAM-2026 is likely to experience the involvement of more than how many farmers of all gram panchayats of Rajasthan?

A. 25,000

B. 50,000

C. 75,000

D. 1,00,000

Answer: C

RASonly

GRAM-2026 will be expected to cover over 75,000 farmers in all gram panchayats of Rajasthan. This mass involvement demonstrates the significance of the event in advancing modern agricultural activities and empowering of the farmers in the state.

3. Which of the following technologies and practices are related to GRAM-2026?

A. Drone technology and artificial intelligence.

B. Precision farming

C. Organic and natural farming.

D. All of the above

Answer: D

GRAM-2026 will expose farmers to some of the contemporary agricultural innovations, such as drone technology, artificial intelligence, precision farming, organic farming and natural farming. These technologies and practices will help facilitate productivity, sustainability, value addition and market-oriented agriculture in Rajasthan.

GRAM-2026 और राजस्थान में तकनीक आधारित कृषि परिवर्तन

राजस्थान सरकार **23 से 25 मई** तक **JECC, सीतापुरा, जयपुर** में **ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (GRAM)-2026** का आयोजन करने जा रही है। यह आयोजन राज्य में आधुनिक, तकनीक आधारित और बाजारोन्मुखी कृषि को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। प्रमुख शासन सचिव, कृषि एवं उद्यानिकी **श्रीमती मंजू राजपाल** की अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में किसान भागीदारी, तकनीकी सत्रों, प्रदर्शनी, लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं और आवश्यक सुविधाओं की समीक्षा की गई। इस आयोजन में राजस्थान की सभी ग्राम पंचायतों से **75,000 से अधिक किसानों** की भागीदारी अपेक्षित है।

GRAM-2026 की प्रमुख विशेषताएँ

• GRAM-2026 का आयोजन **23 से 25 मई** तक **JECC, सीतापुरा, जयपुर** में किया जाएगा।

• यह आयोजन किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों और बाजार अवसरों से जोड़ने में सहायता करेगा।

• राजस्थान की सभी ग्राम पंचायतों से **75,000 से अधिक किसानों** के भाग लेने की संभावना है।

• आयोजन में **ड्रोन तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, प्रिसिजन फार्मिंग, जैविक खेती और प्राकृतिक खेती** पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

RASonly

• स्टार्टअप्स, एग्रीटेक कंपनियों, किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं और निवेशकों को एक साझा मंच पर लाया जाएगा।

• यह आयोजन तकनीक आधारित कृषि प्रणाली, मूल्य संवर्धन, निर्यातोन्मुखी उत्पादन और आधुनिक विपणन व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करेगा।

उद्देश्य और लाभ

उद्देश्य

• कृषि क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी विकास को बढ़ावा देना।

• कृषि को अधिक लाभकारी, टिकाऊ और बाजारोन्मुखी बनाना।

• किसानों को आधुनिक कृषि उपकरणों और तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना।

• किसानों, एग्रीटेक कंपनियों और स्टार्टअप्स के बीच संवाद को मजबूत करना।

• राजस्थान के कृषि क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करना।

• अंतरराष्ट्रीय रोड शो के माध्यम से वैश्विक तकनीकी हस्तांतरण को बढ़ावा देना।

लाभ

• किसानों को नई पीढ़ी की कृषि तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी मिलेगी।

• यह आयोजन कृषि उत्पादकता और आय के अवसरों को बढ़ाने में सहायक होगा।

• ग्रामीण युवाओं में कृषि उद्यमिता को प्रोत्साहन मिलेगा।

• निर्यातोन्मुखी और मूल्य संवर्धित कृषि उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

• राजस्थान को वैश्विक कृषि क्षेत्र में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में सहायता मिलेगी।

• यह पहल इस विचार को मजबूत करेगी कि किसान सशक्तिकरण ही ग्रामीण विकास की आधारशिला है।

प्रशासनिक तैयारियाँ

समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख शासन सचिव **श्रीमती मंजू राजपाल** ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन में आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। कृषि आयुक्त **श्री नरेश कुमार गोयल** ने गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए **पेयजल, सरस लस्सी, छाया और अन्य आवश्यक सुविधाओं** की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी सतर्कता और निर्धारित समय सीमा के भीतर करें।

निष्कर्ष

GRAM-2026 राजस्थान की कृषि को तकनीक आधारित, लाभकारी और टिकाऊ क्षेत्र में बदलने का एक महत्वपूर्ण मंच बन सकता है। किसानों, वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, निवेशकों और एग्रीटेक कंपनियों को एक साथ लाकर यह आयोजन नवाचार, निवेश, कृषि निर्यात और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देगा। यह पहल राजस्थान को आधुनिक कृषि क्रांति की ओर ले जाने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

RASonly

MCQs

1. GRAM-2026 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- इसका आयोजन JECC, सीतापुरा, जयपुर में किया जाएगा।
- इसका उद्देश्य आधुनिक, तकनीक आधारित और बाजारोन्मुखी कृषि को बढ़ावा देना है।
- यह केवल पारंपरिक कृषि पद्धतियों पर केंद्रित होगा।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: A

व्याख्या: GRAM-2026 का आयोजन JECC, सीतापुरा, जयपुर में किया जाएगा और इसका उद्देश्य आधुनिक, तकनीक आधारित तथा बाजारोन्मुखी कृषि को बढ़ावा देना है। यह आयोजन ड्रोन तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, प्रिसिजन फार्मिंग, जैविक खेती और प्राकृतिक खेती जैसी तकनीकों पर केंद्रित होगा। इसलिए कथन 3 गलत है।

---

2. GRAM-2026 में राजस्थान की सभी ग्राम पंचायतों से कितने से अधिक किसानों की भागीदारी अपेक्षित है?

A. 25,000
B. 50,000
C. 75,000
D. 1,00,000

उत्तर: C

व्याख्या: GRAM-2026 में राजस्थान की सभी ग्राम पंचायतों से 75,000 से अधिक किसानों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। यह व्यापक भागीदारी राज्य में आधुनिक कृषि गतिविधियों को बढ़ावा देने और किसानों के सशक्तिकरण की दृष्टि से इस आयोजन के महत्व को दर्शाती है।

---

3. GRAM-2026 से निम्नलिखित में से कौन-सी तकनीकें और पद्धतियाँ संबंधित हैं?

A. ड्रोन तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
B. प्रिसिजन फार्मिंग
C. जैविक और प्राकृतिक खेती
D. उपरोक्त सभी

RASonly

उत्तर: D

व्याख्या: GRAM-2026 के माध्यम से किसानों को ड्रोन तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, प्रिसिजन फार्मिंग, जैविक खेती और प्राकृतिक खेती जैसे आधुनिक कृषि नवाचारों से अवगत कराया जाएगा। ये तकनीकें और पद्धतियाँ राजस्थान में उत्पादकता, स्थिरता, मूल्य संवर्धन और बाजारोन्मुखी कृषि को बढ़ावा देने में सहायक होंगी।

Ajmer to Develop Spiritual Centre at Vivekananda Park with ₹3 Crore Budget

A contemporary spiritual, yoga and meditation centre, will be created at Vivekananda Park in the foothills of the Aravalli range, Ajmer. The Rajasthan government announced the project in the state budget and will be developed at an approximate cost of approximately 3 crore rupees of the state budget. Vasudev Devnani, the Speaker of the Rajasthan Legislative Assembly, visited the proposed site and ordered the officials to start working on the site as soon as possible. The centre will become a significant meditation and yoga camping, spiritual workshop and wellness related activities.

The major characteristics of the Project

The spiritual centre will be built at the location of Vivekananda Park in Ajmer.

Since it is a project, it will require about 3 crore rupees.

- The centre will be situated in the natural and serene setting of the Aravalli foothills.
- The project will consist of a grand hall, meditation hall, yoga hall and seminar room.
- Other things that will be developed in the park are; attractive fountains and large-scale plantation.
- The centre will be appropriate to yoga camps, meditation classes and spiritual workshops and seminars.
- It will cater to the local population as well as tourists visiting Ajmer.

Objectives and Benefits

Objectives

To make Ajmer a centre of yoga, spirituality and meditation activities

- To serve the citizens with a serene environment to relax their minds and exercise their religions.
- To encourage healthy and positive lifestyle among local people.
- To establish an appropriate place in which meditation camps can be conducted, yoga programmes and spiritual seminars.
- To enhance the tourism and cultural significance of Ajmer.

Benefits

By this, people will be free to practice meditation in a natural and serene atmosphere.

The project will contribute to the establishment of mental peace and wellness.

- The centre will enhance the appeal of Vivekananda Park to the residents and tourists.
- It will provide Ajmer a new identity in the field of yoga and spirituality.

Indian and foreign tourists can have a tranquil spiritual time in the Aravalli environment.

Administrative Inspection

Speaker of the Assembly, Vasudev Devnani, visited Vivekananda Park and had a look at the proposed site. During the inspection, he gave necessary directions to the concerned officials and emphasised the early start of the project. The representatives of various yoga and meditation organisations were also present at the time of the inspection at the Ajmer Development Authority.

RASonly

Conclusion

The proposed spiritual centre in Vivekananda Park will enable Ajmer to become a significant place to be in with regard to yoga, meditation and spiritual practices. The integration of natural beauty, wellness facilities and cultural value, the project can also benefit the local citizens, attract tourists and promote healthier lifestyle. It also indicates the interest of the state government in urban wellness infrastructure and spiritual tourism.

MCQs

1. In which location will the proposed spiritual, yoga and meditation centre be developed?

A. Pushkar Lake, Ajmer.

B. Vivekananda Park, Ajmer

C. Central Park, Jaipur

D. Jawahar Circle, Jaipur

Answer: B

Explanation: The proposed spiritual, yoga and meditation centre will be established at Vivekananda Park in Ajmer. The park is in the foothills of the Aravalli range, which is a relaxing and green place to meditate, do yoga and spiritual activities.

2. Take into consideration the following statements regarding the proposed spiritual centre in Ajmer:

1. It was declared in the state budget of Rajasthan.

2. It will be developed at an estimated cost of around ₹3 crore.

3. It will only be developed as sports training centre.

Which of the above statements are correct?

A. 1 and 2 only

B. 2 and 3 only

C. 1 and 3 only

D. 1, 2 and 3

Answer: A

RASonly

Explanation: The project will be developed at a cost of an estimated 3 crores at a time after it was announced in the Rajasthan government budget and its development will start upon receiving the project approval. It will be designed as a spiritual, yoga and meditation centre, rather than a sports training centre. Thus statement 3 is not true.

3. What of the following facilities are proposed under the project of the Vivekananda Park spiritual centre?

A. Meditation hall and yoga hall.

B. Seminar room

C. Fountains and plantation.

D. All of the above

Answer: D

Explanation : The project will consist of the construction of a grand hall, meditation hall, yoga hall, seminar room, large-scale plantation and attractive fountains. The facilities will ensure that the centre is fit to host yoga camps, meditation sessions, spiritual workshops and seminars.

अजमेर में आध्यात्मिक, योग एवं ध्यान केन्द्र का विकास,विवेकानंद पार्क में ₹3 करोड़ की लागत से विकसित होगा आध्यात्मिक केन्द्र

अजमेर में अरावली पर्वतमाला की तलहटी में स्थित **विवेकानंद पार्क** को एक आधुनिक **आध्यात्मिक, योग एवं ध्यान केन्द्र** के रूप में विकसित किया जाएगा। इस परियोजना की घोषणा राजस्थान सरकार द्वारा राज्य बजट में की गई है और इस पर लगभग **₹3 करोड़** की लागत आएगी। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष **श्री वासुदेव देवनानी** ने प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। यह केन्द्र ध्यान, योग शिविरों, आध्यात्मिक कार्यशालाओं और स्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण स्थल के रूप में विकसित होगा।

परियोजना की प्रमुख विशेषताएँ

• आध्यात्मिक केन्द्र का विकास **अजमेर के विवेकानंद पार्क** में किया जाएगा।

• इस परियोजना पर लगभग **₹3 करोड़** की लागत आएगी।

• यह केन्द्र **अरावली की तलहटी** के प्राकृतिक और शांत वातावरण में स्थित होगा।

• परियोजना के तहत भव्य हॉल, मेडिटेशन हॉल, योग हॉल और सेमीनार कक्ष बनाए जाएंगे।

• पार्क में आकर्षक फव्वारे और व्यापक वृक्षारोपण भी किया जाएगा।

RASonly

• यह केन्द्र योग शिविरों, ध्यान सत्रों, आध्यात्मिक कार्यशालाओं और सेमीनारों के लिए उपयुक्त होगा।

• इससे स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ अजमेर आने वाले पर्यटकों को भी लाभ मिलेगा।

उद्देश्य और लाभ

उद्देश्य

• अजमेर को योग, अध्यात्म और ध्यान गतिविधियों के केन्द्र के रूप में विकसित करना।

• नागरिकों को मानसिक शांति और आध्यात्मिक साधना के लिए शांत वातावरण उपलब्ध कराना।

• स्थानीय लोगों में स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देना।

• ध्यान शिविरों, योग कार्यक्रमों और आध्यात्मिक सेमीनारों के लिए उपयुक्त स्थान तैयार करना।

• अजमेर के पर्यटन और सांस्कृतिक महत्व को मजबूत करना।

लाभ

• लोग प्राकृतिक और शांत वातावरण में ध्यान कर सकेंगे।

• यह परियोजना मानसिक शांति और स्वास्थ्य लाभ को बढ़ावा देगी।

• विवेकानंद पार्क स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों के लिए अधिक आकर्षक बनेगा।

• योग और अध्यात्म के क्षेत्र में अजमेर को नई पहचान मिलेगी।

• देश-विदेश से आने वाले पर्यटक अरावली के शांत वातावरण में आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त कर सकेंगे।

प्रशासनिक निरीक्षण

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष **श्री वासुदेव देवनानी** ने विवेकानंद पार्क का निरीक्षण कर प्रस्तावित स्थल का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और परियोजना का कार्य शीघ्र प्रारंभ करने पर जोर दिया। इस अवसर पर अजमेर विकास प्राधिकरण के अधिकारी और विभिन्न योग एवं ध्यान संस्थाओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

निष्कर्ष

विवेकानंद पार्क में प्रस्तावित आध्यात्मिक केन्द्र अजमेर को योग, ध्यान और आध्यात्मिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण स्थल बनाने में सहायक होगा। प्राकृतिक सुंदरता, स्वास्थ्य सुविधाओं और सांस्कृतिक महत्व के समन्वय से यह परियोजना स्थानीय नागरिकों को लाभ पहुंचाएगी, पर्यटकों को आकर्षित करेगी और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देगी। यह पहल शहरी स्वास्थ्य अवसंरचना और आध्यात्मिक पर्यटन को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

MCQs

1. प्रस्तावित आध्यात्मिक, योग एवं ध्यान केन्द्र किस स्थान पर विकसित किया जाएगा?

RASonly

A. पुष्कर झील, अजमेर
B. विवेकानंद पार्क, अजमेर
C. सेंट्रल पार्क, जयपुर
D. जवाहर सर्किल, जयपुर

उत्तर: B

व्याख्या: प्रस्तावित आध्यात्मिक, योग एवं ध्यान केन्द्र अजमेर के विवेकानंद पार्क में विकसित किया जाएगा। यह पार्क अरावली पर्वतमाला की तलहटी में स्थित है, जहां का शांत और हरित वातावरण ध्यान, योग और आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए उपयुक्त है।

---

2. अजमेर में प्रस्तावित आध्यात्मिक केन्द्र के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- इसकी घोषणा राजस्थान राज्य बजट में की गई थी।
- इसे लगभग ₹3 करोड़ की लागत से विकसित किया जाएगा।
- इसे केवल खेल प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: A

व्याख्या: इस परियोजना की घोषणा राजस्थान सरकार द्वारा राज्य बजट में की गई है और इसे लगभग ₹3 करोड़ की लागत से विकसित किया जाएगा। यह केन्द्र आध्यात्मिक, योग और ध्यान गतिविधियों के लिए विकसित किया जा रहा है, न कि खेल प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में। इसलिए कथन 3 गलत है।

---

3. विवेकानंद पार्क आध्यात्मिक केन्द्र परियोजना के अंतर्गत निम्नलिखित में से कौन-सी सुविधाएँ प्रस्तावित हैं?

A. मेडिटेशन हॉल और योग हॉल
B. सेमीनार कक्ष
C. फव्वारे और वृक्षारोपण
D. उपरोक्त सभी

उत्तर: D

व्याख्या: इस परियोजना के अंतर्गत भव्य हॉल, मेडिटेशन हॉल, योग हॉल, सेमीनार कक्ष, आकर्षक फव्वारे और व्यापक वृक्षारोपण प्रस्तावित हैं। इन सुविधाओं से यह केन्द्र योग शिविरों, ध्यान सत्रों, आध्यात्मिक कार्यशालाओं और सेमीनारों के आयोजन के लिए उपयुक्त बनेगा।

RASonly

Nakshatra Vatika and Herbal Vatika in the Rajasthan Legislative Assembly premises.

The Rajasthan Legislative Assembly premises will soon have a unique Nakshatra Vatika and Herbal Vatika as part of an initiative by Assembly Speaker Dr. Vasudev Devnani. Those gardens will be the symbol of the fusion of the Indian spirituality and the ancient astrological knowledge, Ayurveda and environmental preservation. These two gardens will be opened on 5 May at 10 AM by Dr. Devnani as well as the Speakers of five state assemblies. The project will ensure that the premises of the Rajasthan Assembly gets converted to the symbol of Indian tradition of knowledge and biodiversity preservation and cultural awareness.

The main characteristics of the Initiative

- Nakshatra Vatika and Herbal Vatika are under development within the premises of the Rajasthan Legislative Assembly.
- Inauguration will be held on the date of 5 May at 10 AM.
- The inauguration will be attended by the speakers of the states of Madhya Pradesh, Uttar Pradesh, Himachal Pradesh, Odisha and Sikkim.

Ministers of Parliamentary Affairs, Leader of the Opposition and Ministers of Parliament will also be present.

The gardens will be a blend of Ayurveda, Indian astrology, spirituality and nature conservation.

The project will contribute to the knowledge of the future population on the connection between Indian culture, astrology and nature.

Nakshatra Vatika

It is an Indian astrological product which is conceptualized on the basis of the 27 Nakshatras of Indian astrology. Every Nakshatra is believed to have a particular tree. To this end, a 5,000 square metre semi-circular garden has been designed in the southern part of the Assembly premises between the two parking areas.

Important Features

The garden will contain trees pertaining to each of the 27 Nakshatras and are also attributed to the nine planets, twelve signs of the zodiac and the Trimurti Brahma, Vishnu and Shiva.

- The garden will be used to create awareness about trees that are associated with birth Nakshatras.
- It will be used as a living example of the ecological and spiritual knowledge of India in the past.

Nakshatras and other trees

- Ashwini – Kuchla
- Bharani – Amla
- Krittika – Gular
- Rohini – Jamun
- Mrigashira – Khair
- Ardra – Shisham
- Punarvasu – Bamboo
- Pushya – Peepal
- Ashlesha – Nagkesar
- Magha – Banyan
- Purva Phalguni – Palash
- Uttara Phalguni – Pakad
- Hasta – Reetha/Jasmine

RASonly

• Chitra – Bel

• Swati – Arjun

• Vishakha – Katari

• Anuradha – Maulshri

• Jyeshtha – Chir/Sambhal

• Moola – Sal

• Purva Ashadha – Jalvetar/Ashok

• Uttara Ashadha – Jackfruit

• Shravana – Shami/Aak

• Dhanishtha – Madar/Shami

• Shatabhisha – Kadamb

• Purva Bhadrapada – Mango

• Uttara Bhadrapada – Neem

• Revati – Mahua

Herbal Vatika

An Herbal Vatika is also under construction in the north-western part of the Assembly premises. It will be approximately 850 square metres and will have 38 organised beds which will measure 8 x 13 feet respectively. There will be 20 to 25 plants of a single medicinal species in each bed.

Important Medicinal Plants

The Herbal Vatika will contain a number of plants related to Ayurveda including: Rosemary, Clove, Ajwain, Peppermint, Patchouli, Insulin plant, Mehendi, Ashwagandha, Aloe Vera, Lemongrass, Vetiver grass, Tulsi, Cardamom, Pippali, Camphor, Stevia, Shatavari, Ratanjot, Nirgundi, Sarpagandha, Nagarbeel and Brahmi.

Significance

The Herbal Vatika will also aid in preserving valuable medicinal plants.

- It will create awareness regarding Ayurveda and traditional systems of healing.
- It will increase biodiversity within the premises of the Assembly.
- It will be able to provide a healthy and positive environment.

RASonly

Objectives and Benefits

Objectives

- To establish a living icon of Indian tradition of knowledge in the Assembly premises.
- To relate environmental conservation to the culture, astrology and Ayurveda.
- To help spread awareness on trees related to Nakshatra.
- To preserve Ayurvedic medicinal plants of Ayurvedic significance.
- To make future generations familiar with the strong bond between the Indian culture and nature.

Benefits

The gardens will enhance biodiversity within the Assembly premises.

- These will be used to facilitate the agenda of environmental protection and conservation of medicinal plants.
- People will also be informed of the trees that are related to their birth Nakshatra.
- The project will instill a calm and good environment.
- It will present Rajasthan Assembly, as a unique institution, which integrates governance, culture and ecological awareness.

Conclusion

The Nakshatra Vatika and Herbal Vatika situated in the Rajasthan Legislative Assembly premises are not just garden projects. They are symbols of Indian tradition of knowledge Ayurveda, astrology and environmental awareness. Through the development of these gardens, the Assembly premises will be a special site of cultural heritage, conservation of biodiversity and nature-based learning to future generations.

RASonly

MCQs

1. Take the following statements concerning the Nakshatra Vatika in the legislative assembly premises of Rajasthan:-

1. It is founded on the notion of 27 Nakshatras of Indian astrology.

2. It has been built on a 5,000 square metre semi-circular garden.

3. It will include only medicinal plants and no Nakshatra-related trees.

Which of the above is/are true?

A. 1 and 2 only

B. 2 and 3 only

C. 1 and 3 only

D. 1, 2 and 3

Answer: A

The Nakshatra Vatika is derived based on the 27 Nakshatras of Indian astrology, where each Nakshatra is equated with a certain type of tree. It has been built in a 5,000 square metre semi-circular garden within the Assembly premises. The third statement is false since the Nakshatra Vatika is the one which is directly associated with trees of the Nakshatra, whereas medicinal plants are contained in the separate Herbal Vatika.

2. How much area will the Herbal Vatika in the premises of the Legislative Assembly of Rajasthan be developed?

A. 500 square metres

B. 850 square metres

C. 1,500 square metres

D. 5,000 square metres

Answer: B

Explanation The Herbal Vatika is under development in the north-western part of the premises of the Rajasthan Legislative Assembly over a total area of approximately 850 square metres. It will have 38 organised beds and each bed will have 20 to 25 medicinal species of one kind.

3.Which of the following pairs of Nakshatra and tree is correctly paired according to the Nakshatra Vatika initiative?

A. Pushya – Peepal

B. Revati – Neem

C. Rohini – Bamboo

D. Ashwini – Mango

Answer: A

Explanation: In Nakshatra Vatika project, Pushya is related to Peepal. Revati is linked to Mahua, Rohini to Jamun and Ashwati to Kuchla. Thus, option A is the only one that is appropriately matched.

RASonly

राजस्थान विधानसभा परिसर में विकसित होंगी नक्षत्र वाटिका और हर्बल वाटिका

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष **डॉ. वासुदेव देवनानी** की पहल पर विधानसभा परिसर में अनूठी **नक्षत्र वाटिका और हर्बल वाटिका** विकसित की जा रही हैं। ये वाटिकाएं भारतीय आध्यात्मिक परंपरा, प्राचीन ज्योतिषीय ज्ञान, आयुर्वेद और पर्यावरण संरक्षण के समन्वय का सजीव उदाहरण बनेंगी। इन दोनों वाटिकाओं का उद्घाटन **5 मई को प्रातः 10 बजे** डॉ. देवनानी द्वारा पांच राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों के साथ किया जाएगा। यह पहल राजस्थान विधानसभा परिसर को भारतीय ज्ञान परंपरा, जैव विविधता संरक्षण और सांस्कृतिक जागरूकता का प्रतीक बनाएगी।

पहल की प्रमुख विशेषताएँ

• **नक्षत्र वाटिका और हर्बल वाटिका** राजस्थान विधानसभा परिसर में विकसित की जा रही हैं।

• इनका उद्घाटन **5 मई को प्रातः 10 बजे** किया जाएगा।

• उद्घाटन कार्यक्रम में **मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम** विधानसभाओं के अध्यक्ष उपस्थित रहेंगे।

• इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री **श्री जोगाराम पटेल** और नेता प्रतिपक्ष **श्री टीकाराम जूली** भी मौजूद रहेंगे।

• ये वाटिकाएं भारतीय ज्योतिष, आयुर्वेद, आध्यात्मिक परंपरा और पर्यावरण संरक्षण का समन्वय प्रस्तुत करेंगी।

• यह पहल आने वाली पीढ़ियों को भारतीय संस्कृति, ज्योतिष और प्रकृति के संबंध से परिचित कराने में सहायक होगी।

नक्षत्र वाटिका

नक्षत्र वाटिका भारतीय ज्योतिष के **27 नक्षत्रों** की अवधारणा पर आधारित है। प्रत्येक नक्षत्र का संबंध एक विशिष्ट वृक्ष से माना गया है। इसके लिए विधानसभा परिसर के दक्षिण भाग में दोनों पार्किंग के मध्य **5,000 वर्ग मीटर** क्षेत्र में अर्धचंद्राकार उद्यान विकसित किया गया है।

प्रमुख विशेषताएँ

• इस वाटिका में सभी **27 नक्षत्रों** से संबंधित वृक्ष लगाए जाएंगे।

• इन पौधों का संबंध **नौ ग्रहों, बारह राशियों और त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु एवं शिव** से भी माना गया है।

• यह वाटिका लोगों को अपने जन्म नक्षत्र से जुड़े वृक्षों के प्रति जागरूक करेगी।

• यह भारत के पारंपरिक पर्यावरणीय और आध्यात्मिक ज्ञान का जीवंत उदाहरण बनेगी।

नक्षत्र और उनसे संबंधित वृक्ष

• अश्विनी – कुचला
• भरणी – आंवला
• कृतिका – गूलर

RASonly

- रोहिणी – जामुन
- मृगशिरा – खैर
- आर्द्रा – शीशम
- पुनर्वसु – बांस
- पुष्य – पीपल
- आश्लेषा – नागकेसर
- मघा – बरगद/बट
- पूर्वाफाल्गुनी – पलाश
- उत्तराफाल्गुनी – पाकड़
- हस्त – रीठा/चमेली
- चित्रा – बेल
- स्वाति – अर्जुन
- विशाखा – कटारी
- अनुराधा – मौलश्री
- ज्येष्ठा – चीड़/संभल
- मूल – साल
- पूर्वाषाढ़ा – जलवेतर/अशोक
- उत्तराषाढ़ा – कटहल
- श्रवण – शमी/आक
- धनिष्ठा – मदार/शमी
- शतभिषा – कदंब
- पूर्वाभाद्रपद – आम
- उत्तराभाद्रपद – नीम
- रेवती – महुआ

हर्बल वाटिका

राजस्थान विधानसभा परिसर के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में **हर्बल वाटिका** भी विकसित की जा रही है। यह वाटिका लगभग **850 वर्ग मीटर** क्षेत्र में होगी। इसमें **8 x 13 फीट** आकार की सुव्यवस्थित **38 क्यारियां** बनाई गई हैं। प्रत्येक क्यारी में एक औषधीय प्रजाति के **20 से 25 पौधे** लगाए जा रहे हैं।

प्रमुख औषधीय पौधे

हर्बल वाटिका में आयुर्वेदिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पौधे लगाए जाएंगे, जिनमें **रोजमेरी, लौंग, समुद्र बेल, अजवाइन, बैजंती, पेपरमिंट, पचोली, इंसुलिन प्लांट, मेहंदी, पत्थरचट्टा, ओडोमास, केशवर्धनी, अश्वगंधा, सिट्रोनेला, कालमेघ, अग्निमन्थ, हड़जोड़, ऐलोवेरा, लेमनग्रास, वेटिवर ग्रास, वेखंड, तुलसी, इलायची, पिपली, कपूर, गुज, दन्ती, मरवा, अक्कड़ काड़ा, स्टीविया, अजावृक्ष, शतावरी, रतनजोत, निर्गुंड़ी, रेड अडुसा, सर्पगंधा, पान/नागरबेल और ब्राह्मी** शामिल हैं।

महत्व

- हर्बल वाटिका महत्वपूर्ण औषधीय पौधों के संरक्षण में सहायक होगी।
- यह आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के प्रति जागरूकता बढ़ाएगी।
- इससे विधानसभा परिसर में जैव विविधता समृद्ध होगी।

RASonly

• यह सकारात्मक और स्वस्थ वातावरण के निर्माण में सहायक होगी।

उद्देश्य और लाभ

उद्देश्य

• विधानसभा परिसर में भारतीय ज्ञान परंपरा का जीवंत प्रतीक स्थापित करना।

• पर्यावरण संरक्षण को संस्कृति, ज्योतिष और आयुर्वेद से जोड़ना।

• नक्षत्रों से संबंधित वृक्षों के प्रति जागरूकता बढ़ाना।

• आयुर्वेदिक महत्व के औषधीय पौधों का संरक्षण करना।

• आने वाली पीढ़ियों को भारतीय संस्कृति और प्रकृति के गहरे संबंध से परिचित कराना।

लाभ

• ये वाटिकाएं विधानसभा परिसर में जैव विविधता को बढ़ाएंगी।

• पर्यावरण संरक्षण और औषधीय पौधों के संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

• लोग अपने जन्म नक्षत्र से जुड़े वृक्षों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

• परिसर में शांत, सकारात्मक और स्वस्थ वातावरण बनेगा।

• राजस्थान विधानसभा शासन, संस्कृति और पर्यावरणीय चेतना को जोड़ने वाली एक अनूठी संस्था के रूप में सामने आएगी।

निष्कर्ष

राजस्थान विधानसभा परिसर में विकसित की जा रही **नक्षत्र वाटिका और हर्बल वाटिका** केवल उद्यान परियोजनाएं नहीं हैं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा, आयुर्वेद, ज्योतिष और पर्यावरण चेतना का प्रतीक हैं। इन वाटिकाओं के माध्यम से विधानसभा परिसर सांस्कृतिक विरासत, जैव विविधता संरक्षण और प्रकृति आधारित शिक्षा का विशेष केंद्र बनेगा। यह पहल भविष्य की पीढ़ियों को भारतीय संस्कृति और प्रकृति के गहरे संबंध से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

MCQs

1. राजस्थान विधानसभा परिसर में विकसित की जा रही नक्षत्र वाटिका के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- यह भारतीय ज्योतिष के 27 नक्षत्रों की अवधारणा पर आधारित है।
- इसे 5,000 वर्ग मीटर के अर्धचंद्राकार उद्यान में विकसित किया गया है।
- इसमें केवल औषधीय पौधे लगाए जाएंगे और नक्षत्रों से संबंधित वृक्ष नहीं होंगे।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

RASonly

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: A

व्याख्या: नक्षत्र वाटिका भारतीय ज्योतिष के 27 नक्षत्रों पर आधारित है, जिनमें प्रत्येक नक्षत्र का संबंध एक विशिष्ट वृक्ष से माना गया है। इसे विधानसभा परिसर में 5,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में अर्धचंद्राकार उद्यान के रूप में विकसित किया गया है। कथन 3 गलत है, क्योंकि नक्षत्र वाटिका में नक्षत्रों से संबंधित वृक्ष लगाए जाएंगे, जबकि औषधीय पौधे अलग हर्बल वाटिका में लगाए जा रहे हैं।

---

2. राजस्थान विधानसभा परिसर में हर्बल वाटिका कितने क्षेत्र में विकसित की जा रही है?

A. 500 वर्ग मीटर
B. 850 वर्ग मीटर
C. 1,500 वर्ग मीटर
D. 5,000 वर्ग मीटर

उत्तर: B

व्याख्या: हर्बल वाटिका राजस्थान विधानसभा परिसर के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में लगभग 850 वर्ग मीटर क्षेत्र में विकसित की जा रही है। इसमें 38 सुव्यवस्थित क्यारियां बनाई गई हैं और प्रत्येक क्यारी में एक औषधीय प्रजाति के 20 से 25 पौधे लगाए जा रहे हैं।

---

3. नक्षत्र वाटिका पहल के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा नक्षत्र और संबंधित वृक्ष सही सुमेलित है?

A. पुष्य – पीपल
B. रेवती – नीम
C. रोहिणी – बांस
D. अश्विनी – आम

उत्तर: A

व्याख्या: नक्षत्र वाटिका पहल में पुष्य नक्षत्र का संबंध पीपल से माना गया है। रेवती का संबंध महुआ से, रोहिणी का संबंध जामुन से और अश्विनी का संबंध कुचला से है। इसलिए केवल विकल्प A सही सुमेलित है।

Change in the ownership of Rajasthan Royals and IPL Franchise

RASonly

Valuation, Rajasthan Royals Becomes Second-Most Expensive IPL Franchise at ₹15,660 Crore

The ownership transaction of Rajasthan Royals in the Indian Premier League was estimated to be worth ₹15,660 crore. The franchise, which was the cheapest IPL team in 2008 at around 280 crore, has now become the second-costliest IPL franchise. The transaction is important to Rajasthan since the franchise will now strongly have ownership ties to some of the highest-ranking Indian business families, such as the Mittal and Poonawala families.

Some of the major highlights of the deal

Rajasthan Royals is estimated at 15,660 crore.

- The team has been purchased by Lakshmi Mittal, Aditya Mittal and Adar Poonawala.
- A bid of approximately a ₹15,290 crore had been placed on it previously by a consortium led by American businessman Michael Dell.
- The Mittal-Poonawala bid was greater and thus it was the preferred offer.
- In 2008, Rajasthan Royals was purchased at a price of approximately ₹280 crore, making it the cheapest IPL franchise at the time.
- It is now worth almost 56 times its former value.

Ownership Pattern

- The Mittal family will have an approximate 75 per cent stake in the Rajasthan Royals.
- About 18% will belong to Adar Poonawala.
- The rest of the stake will remain with the current investors such as Manoj Badale.
- The company that possessed Rajasthan Royals was originally called Emerging Media owned by Manoj Badale.

Comparison with other IPL Teams.

- Royal Challengers Bengaluru has been estimated to be worth approximately; ₹16,660 crore, making it the most expensive franchise in the IPL.
- The Rajasthan Royals is now the second-most expensive IPL franchise with a valuation of 15,660 crore.

In value growth Rajasthan Royals has registered the highest growth rate among the major IPL teams increasing through the years to reach:

Critical Context to RAS Exam.

The Rajasthan Royals deal is indicative of the increasing commercial worth of sports franchises in India. It is noteworthy in terms of sports economy, branding, personal investment, media rights, ownership of business and current affairs related to Rajasthan. The increase in the value of IPL franchises indicates how sports has become a significant economic sector that involves corporate investments, advertisements, broadcasting and regional identity.

Conclusion

The sale of the Rajasthan Royals ownership is a significant change in the sports economy of India. Since it was the lowest-cost IPL franchise in 2008 and now it is the second-most expensive team, Rajasthan Royals is symbolic of the high commercial growth of IPL franchisees in India. In the case of Rajasthan, the presence of the state in a high-value national sporting platform is also enhanced through the deal.

MCQs

- The following are some of the things that can be said about the recent valuation deal that Rajasthan Royals went through:

1. Rajasthan Royals was valued at ₹15,660 crore.

2. In 2008, Rajasthan Royals was the most expensive IPL franchise.

RASonly

3. The Mittal family will hold around 75% stake in the franchise.

Of the above stated, which of the statements are correct?

a. 1 and 2 only

b. 1 and 3 only

c. 2 and 3 only

d. 1, 2 and 3

Answer: b

Explanation: Rajasthan Royals will be valued at 15,660 crore and the Mittal family will have a stake of about 75 percent in the franchise. But the fact that Rajasthan Royals was the highest priced IPL franchise in the year 2008 is not true. It was the lowest priced IPL franchise in 2008, at about 280 crore.

2. Rajasthan Royals' valuation increased from around ₹280 crore in 2008 to ₹15,660 crore. This is an estimated growth of:

a. 20 times

b. 37 times

c. 56 times

d. 65 times

Answer: c

Explanation: In 2008, Rajasthan Royals was estimated to be worth 280 crore. Its current valuation has reached ₹15,660 crore. This means that the growth has been almost 56 times which is the highest growth among the listed IPL franchises in the article.

3. Which of the following is true about the latest ranking of IPL franchise valuations, as discussed in the news?

a. Rajasthan Royals is the highest priced IPL franchise.

b. Royal Challengers Bengaluru is rated lower as compared to Rajasthan Royals.

c. Rajasthan Royals have now become the second most expensive IPL franchise.

d. The second-most expensive IPL franchise is that of Hyderabad.

Answer: c

RASonly

Explanation : The news states that Royal Challengers Bengaluru is currently the most costly IPL franchise, having been valued at approximately 16,660 crore. Rajasthan Royals, with a valuation of ₹15,660 crore, has become the second-most expensive IPL franchise. As such, option c is right.

राजस्थान रॉयल्स के स्वामित्व में परिवर्तन और आईपीएल फ्रेंचाइज़ी मूल्यांकन, राजस्थान रॉयल्स ₹15,660 करोड़ के मूल्यांकन के साथ दूसरी सबसे महंगी आईपीएल फ्रेंचाइज़ी बनी

इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स के स्वामित्व से जुड़ा सौदा लगभग **₹15,660 करोड़** का आंका गया है। यह फ्रेंचाइज़ी वर्ष 2008 में लगभग **₹280 करोड़** की कीमत के साथ आईपीएल की सबसे सस्ती टीम थी, लेकिन अब यह आईपीएल की दूसरी सबसे महंगी फ्रेंचाइज़ी बन गई है। यह सौदा राजस्थान के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि अब इस फ्रेंचाइज़ी का स्वामित्व भारत के प्रमुख व्यावसायिक परिवारों, जैसे मित्तल और पूनावाला परिवारों, से मजबूती से जुड़ जाएगा।

सौदे की प्रमुख विशेषताएँ

• राजस्थान रॉयल्स का मूल्यांकन लगभग **₹15,660 करोड़** किया गया है।

• टीम को **लक्ष्मी मित्तल, आदित्य मित्तल और अदार पूनावाला** ने खरीदा है।

• इससे पहले अमेरिकी उद्योगपति **माइकल डेल** के नेतृत्व वाले एक समूह ने लगभग **₹15,290 करोड़** की बोली लगाई थी।

• मित्तल-पूनावाला की बोली अधिक थी, इसलिए इसे प्राथमिकता दी गई।

• वर्ष 2008 में राजस्थान रॉयल्स को लगभग **₹280 करोड़** में खरीदा गया था, जिससे यह उस समय आईपीएल की सबसे सस्ती फ्रेंचाइज़ी थी।

• अब इसकी कीमत लगभग **56 गुना** बढ़ चुकी है।

स्वामित्व संरचना

• मित्तल परिवार के पास राजस्थान रॉयल्स में लगभग **75% हिस्सेदारी** होगी।

• अदार पूनावाला के पास लगभग **18% हिस्सेदारी** होगी।

• शेष हिस्सेदारी वर्तमान निवेशकों के पास रहेगी, जिनमें **मनोज बदाले** भी शामिल हैं।

• राजस्थान रॉयल्स को मूल रूप से मनोज बदाले की कंपनी **इमर्जिंग मीडिया** ने खरीदा था।

अन्य आईपीएल टीमों से तुलना

• रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का मूल्यांकन लगभग **₹16,660 करोड़** किया गया है, जिससे यह आईपीएल की सबसे महंगी फ्रेंचाइज़ी बन गई है।

RASonly

• राजस्थान रॉयल्स अब **₹15,660 करोड़** के मूल्यांकन के साथ आईपीएल की दूसरी सबसे महंगी फ्रैंचाइजी बन गई है।

• मूल्य वृद्धि के मामले में राजस्थान रॉयल्स ने प्रमुख आईपीएल टीमों में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की है, क्योंकि इसकी कीमत वर्ष 2008 के लगभग **₹280 करोड़** से बढ़कर अब **₹15,660 करोड़** हो गई है।

RAS परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण संदर्भ

राजस्थान रॉयल्स का यह सौदा भारत में खेल फ्रैंचाइजी के बढ़ते व्यावसायिक मूल्य को दर्शाता है। यह विषय **खेल अर्थव्यवस्था, ब्रांडिंग, निजी निवेश, मीडिया अधिकार, व्यावसायिक स्वामित्व और राजस्थान से जुड़े समसामयिक मामलों** की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। आईपीएल फ्रैंचाइजी के मूल्य में वृद्धि यह दिखाती है कि खेल अब एक बड़े आर्थिक क्षेत्र के रूप में उभर चुके हैं, जिनमें कॉर्पोरेट निवेश, विज्ञापन, प्रसारण और क्षेत्रीय पहचान की महत्वपूर्ण भूमिका है।

निष्कर्ष

राजस्थान रॉयल्स के स्वामित्व से जुड़ा यह सौदा भारत की खेल अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है। वर्ष 2008 में आईपीएल की सबसे सस्ती फ्रैंचाइजी होने से लेकर अब दूसरी सबसे महंगी टीम बनने तक, राजस्थान रॉयल्स भारत में आईपीएल फ्रैंचाइजी के तेज व्यावसायिक विकास का प्रतीक है। राजस्थान के संदर्भ में यह सौदा राज्य की उपस्थिति को एक उच्च-मूल्य वाले राष्ट्रीय खेल मंच पर और मजबूत करता है।

MCQs

1. राजस्थान रॉयल्स के हालिया मूल्यांकन सौदे के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- राजस्थान रॉयल्स का मूल्यांकन ₹15,660 करोड़ किया गया।
- वर्ष 2008 में राजस्थान रॉयल्स आईपीएल की सबसे महंगी फ्रैंचाइजी थी।
- मित्तल परिवार के पास इस फ्रैंचाइजी में लगभग 75% हिस्सेदारी होगी।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: b

व्याख्या: राजस्थान रॉयल्स का मूल्यांकन ₹15,660 करोड़ किया गया है और मित्तल परिवार के पास इस फ्रैंचाइजी में लगभग 75% हिस्सेदारी होगी। लेकिन यह कथन गलत है कि वर्ष 2008 में राजस्थान रॉयल्स आईपीएल की सबसे महंगी फ्रैंचाइजी थी। वर्ष 2008 में यह लगभग ₹280 करोड़ की कीमत के साथ आईपीएल की सबसे सस्ती फ्रैंचाइजी थी।

RASonly

2. राजस्थान रॉयल्स का मूल्यांकन वर्ष 2008 के लगभग ₹280 करोड़ से बढ़कर ₹15,660 करोड़ हो गया। यह लगभग कितनी गुना वृद्धि को दर्शाता है?

a. 20 गुना
b. 37 गुना
c. 56 गुना
d. 65 गुना

उत्तर: c

व्याख्या: वर्ष 2008 में राजस्थान रॉयल्स का मूल्यांकन लगभग ₹280 करोड़ था। वर्तमान में इसका मूल्यांकन ₹15,660 करोड़ तक पहुँच गया है। इसका अर्थ है कि इसके मूल्य में लगभग 56 गुना वृद्धि हुई है, जो समाचार में दी गई सूचीबद्ध आईपीएल फ्रेंचाइजियों में सबसे अधिक वृद्धि है।

---

3. समाचार में बताए गए आईपीएल फ्रेंचाइजी मूल्यांकन की वर्तमान रैंकिंग के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

a. राजस्थान रॉयल्स आईपीएल की सबसे महंगी फ्रेंचाइजी है।
b. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का मूल्यांकन राजस्थान रॉयल्स से कम है।
c. राजस्थान रॉयल्स अब आईपीएल की दूसरी सबसे महंगी फ्रेंचाइजी बन गई है।
d. हैदराबाद आईपीएल की दूसरी सबसे महंगी फ्रेंचाइजी है।

उत्तर: c

व्याख्या: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का मूल्यांकन लगभग ₹16,660 करोड़ किया गया है, जिससे यह आईपीएल की सबसे महंगी फ्रेंचाइजी बन गई है। राजस्थान रॉयल्स ₹15,660 करोड़ के मूल्यांकन के साथ आईपीएल की दूसरी सबसे महंगी फ्रेंचाइजी बन गई है। इसलिए विकल्प c सही है।

RASonly